रिलीज हुई हैं. वहीं नेट फिलिक्स पर का रास्ता का पकड़ लिया. की अपनी कहानी है. सस्पेंस और ड्रामा दिग्गज कलाकार दिखेंगे. उन्होंने कहा जायेगा, लेकिन आज हमें मौका मिला

रोजगार और कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान देना जरूरी : डॉ जोसेफ

एक्सआइएसएस रांची में बजट 2024 के क्रियान्वयन पर चर्चा

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

एक्सआइएसएस रांची में सोमवार को वित्तीय वर्ष 2024-25 के केंद्रीय बजट पर पैनल चर्चा हुई. मार्केटिंग मैनेजमेंट विभाग और क्लब मार्कबज की ओर से प्राध्यापकों के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, कृषि, सामाजिक क्षेत्र समेत अन्य क्षेत्रों में तय बजट का विवरण साझा किया गया. निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर एसजे ने कहा कि देश के आर्थिक विकास के लिए व्यापक सुधार की जरूरत है. बजट में अगले वित्तीय वर्ष का अनुमानित जीडीपी 7.1% तय किया गया है, जबकि

पैनल चर्चा में शामिल निदेशक डॉ जोसेफ मरियानूस कुजूर एसजे और अन्य.

आलोचक इसके प्रभाव पर चिंता जता रहे हैं.उन्होंने कहा कि बजट 2024 में रोजगार और कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है.

विद्यार्थियों ने बजट के क्रियान्वयन पर किया विमर्श : पैनल डिस्कशन के दौरान विद्यार्थियों ने अलग-अलग टीम में बजट के क्रियान्वयन पर चर्चा की. फाइनेंस मैनेजमेंट के अभिनव विजय व अनुभव यश ने देश की आधारभूत संरचना के लिए बजट, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट की श्रेया समुई व सिमरन छाबड़ा ने समाज कल्याण के समावेशी विकास, कृषि क्षेत्र के लिए डिजिटलीकरण व बुनियादी संरचना और हरित विकास व युवा शक्ति को रोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण पर बजट तय करने की बात कही. वहीं, मार्केटिंग मैनेजमेंट टीम के सत्यम कुमार व अंजलि गुप्ता ने जीडीपी को बढ़ाने के लिए आर्थिक निवेश और रूरल मैनेजमेंट टीम की सादिया व धनेश गोप ने शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में बजट का उचित उपयोग करने की बात कही.

विकास की दिशा में सहयोगी है बजट : संस्था के डीन एकेडमिक्स डॉ अमर ए तिग्गा ने बजट के तहत पूंजीनिवेश पर अपने विचार रखे. कहा कि इस वर्ष भी साइंस एंड टेक्नोलॉजी के विकास को ध्यान में रखकर बजट आवंटित किया गया है. सही दिशा में काम हुए तो रोजगार के अवसर तैयार होंगे. डॉ रमाकांत अग्रवाल ने बजट को विकास, रोजगार और मुद्रा विस्तार की दिशा में अनुकूल बताया. डॉ अरूप मुखर्जी ने जीएसटी और डॉ निरंजन साहू ने बजट में जलवायु और सतत विकास के अवसर पर चर्चा की. कहा कि इवी, सौर और पवन ऊर्जा, एआइ और क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए आवंटित बजट आने वाले समय में उपयोगी सिद्ध होगा. समापन सत्र में बजट पर आधारित ओपेन हाउस क्विज का संचालन हुआ. इसमें स्टूडेंट पैनल की टीम श्रेया समुई व सिमरन छाबड़ा विजेता रही. छात्राओं को सर्टिफिकेट व कैश प्राइज देकर सम्मानित किया गया. इस अवसर पर सहायक निदेशक डॉ प्रदीप केरकेट्टा एसजे, डॉ भवानी प्रसाद महापात्रा समेत अन्य उपस्थित थे.

PRESS : PRABHAT KHABAR

आर्थिक विकास के लिए व्यापक कर सुधार आवश्यक: डॉ जोसफ

- एक्सआईएसएस में अंतरिम केंद्रीय बजट पर चर्चा का हुआ आयोजन
- जलवायु-सतत विकास दृष्टिकोण समेत अन्य विषयों पर रखे विचार

रांची, प्रमुख संवाददाता। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट पर पैनल चर्चा आयोजन सोमवार को किया गया। यह आयोजन एक्सआईएसएस के मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोग्राम व क्लब मार्कबज्ज की ओर से किया गया था।

चर्चा की शुरुआत करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर ने कहा कि आर्थिक विकास के लिए व्यापक कर सुधार आवश्यक हैं। कहा कि अगले वित्तीय वर्ष के लिए अनुमानित राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 प्रतिशत है, लेकिन आलोचक ऐसे उच्च घाटे की स्थिरता और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं। कहा कि बजट 2024 को रोजगार और कौशल प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए। फाइनेंस मैनेजमेंट से अभिनव विजय और अनुभव यश ने इंफ्रास्ट्रचर पर बजट पर चर्चा की। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट की श्रेया समुई और सिमरन छाबड़ा की टीम ने समाज कल्याण पर- समावेशी विकास, कृषि क्षेत्र के लिए डिजिटल बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्टर, हरित विकास और युवा शक्ति पर चर्चा की। मार्केटिंग मैनेजमेंट के सत्यम कुमार और अंजलि गुप्ता ने इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश पर चर्चा की। रूरल मैनेजमेंट की सादिया और धनेश गोप की टीम ने शिक्षा व स्वास्थ्य पर चर्चा की।

बजट पर आधारित ओपन हाउस क्विज और स्टूडेंट पैनल की विजेता टीम श्रेया समुई और सिमरन छाबड़ा को पुरस्कृत किया गया। सहायक निदेशक, डॉ प्रदीप केरकेट्टा व अन्य मौजूद थे।

PRESS : HINDUSTAN

एक्सआईएसएस में अंतरिम केंद्रीय बजट पर पैनल चर्चा

रांची। जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची में वित्तीय वर्ष 2024–25 के लिए केंद्रीय बजट पर पैनल चर्चा का आयोजन सोमवार को ऑडिटोरियम में किया गया। चर्चा की शुरुआत करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ. जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में विकसित भारत के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री के नारे – सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्व व सबका प्रयास पर जोर दिया। उन्होंने पूंजीगत व्यय परिव्यय पर संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के लिए व्यापक कर सुधार आवश्यक है। उन्होंने बजट में बताए गए दो और बिंदुओं पर फोकस करते हुए कहा कि अगले वित्तीय वर्ष के लिए अनुमानित राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.1 फीसद है, लेकिन आलोचक ऐसे उच्च घाटे की स्थिरता व दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं। उन्होंने सामाजिक न्याय व आदिवासी मामलों, आदिवासी

उपयोजना के संबंध में आवंटन के बारे में भी बात की क्योंकि यह आदिवासी विकास, आदिवासियों की शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। उन्होंने कहा कि बजट 2024 को रोजगार व कौशल प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए। चर्चा की शुरुआत छात्र टीम की पैनल चर्चा से हुई। फाइनेंस मैनेजमेंट से अभिनव विजय व अनुभव यश ने इंफ्रास्ट्रचर पर बजट पर चर्चा किया। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एचआरएम) की श्रेया समुई व सिमरन छाबड़ा की टीम ने समाज कल्याण पर – समावेशी विकास, कृषि क्षेत्र के लिए डिजिटल बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्टर, हरित विकास व युवा शक्ति पर चर्चा की। मार्केटिंग मैनेजमेंट के सत्यम कुमार व अंजलि गुप्ता ने इंफ्रास्ट्रक्चर व निवेश पर चर्चा किया। अंत में रूरल मैनेजमेंट की सादिया व धनेश गोप की टीम ने शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर चर्चा किया। कार्यक्रम में फैकल्टी पैनल चर्चा में मार्केटिंग के डॉ. अमर तिग्गा, डीन अकादमिक ने कहा कि बजट में आगामी रोजगार के अवसरों की कमी है, जबकि एक सबसे आकर्षक बात यह है कि इसमें इनोवेशन व टेक्नोलॉजी के लिए काफी धन आवंटित किया गया है। डॉ. रमाकांत अग्रवाल ने जानकारी दी कि बजट विकास, रोजगार व मुद्रा विस्तार उन्मुख है। डॉ. अरूप मुखर्जी ने जीएसटी पर जानकारी दी व कहा कि विकसित भारत तभी संभव है जब लोग विकसित होंगे। अंत में डॉ. निरंजन साहू ने बजट में जलवायु पहलू व सतत विकास दृष्टिकोण पर बात की। ईवी, सौर व पवन ऊर्जा, एआई, क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए आवंटित बजट की उन्होंने सराहना की। सत्र का समापन बजट पर आधारित ओपन हाउस क्विज व छात्र पैनल की विजेता टीम श्रेया समुई व सिमरन छाबड़ा को सर्टिफिकेट व नगद पुरस्कार से सम्मानित करने के साथ हुआ।

PRESS : AAJ

दैनिक भास्कर

रांची 06-02-2024

एक्सआईएसएस में अंतरिम केंद्रीय बजट पर पैनल चर्चा, पूंजीगत व्यय पर जानकारी दी

रांची | एक्सआईएसएस में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट पर पैनल चर्चा हुई। आयोजन मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोग्राम व क्लब मार्कबज्ज द्वारा एक्सआईएसएस के फैकल्टी और स्टूडेंट्स के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, कृषि, सामाजिक क्षेत्र आदि क्षेत्रों में बजट के विवरण पर आधारित था। निदेशक डॉ. जोसफ मारियानुस कुजूर ने पूंजीगत व्यय परिव्यय पर संक्षिप्त जानकारी दी। कहा कि बजट को रोजगार व कौशल प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए। फैकल्टी पैनल चर्चा में डीन अकादमिक डॉ. अमर तिग्गा ने पूंजी निवेश पर फोकस किया। कहा कि बजट में आगामी रोजगार के अवसरों की कमी है जबकि एक सबसे आकर्षक बात यह है कि इसमें इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के लिए काफी धन आवंटित किया गया है। मौके पर स्टूडेंट्स व प्रोफेसर उपस्थित रहे।

PRESS : DAINIK BHASKAR

Panel Discussion on Union Budget organised at XISS

PNS : RANCHI

Xavier Institute of Social Service (XISS), Ranchi, organised a panel discussion on the Union Budget for the financial year 2024-25 here on Monday. The event was organized by the Marketing Management Programme and MarkBuzzz Club of XISS.

Dr Joseph Marianus Kujur, Director, XISS in his welcome address shared his happiness and pride on organizing Union Budget Discussion at XISS, which is now an annual feature of the Institute. While setting the tone of the discussion he emphasized on the Union Minister of Finance's slogan for developed India – Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwa and Sabka Prayas. He shared a brief reflection of Budget 2024 highlighting an insight on the Capital Expenditure Outlay. Further he added, that as far as growth projection is concerned the budget assumes 7.3 % of growth in India's real GDP. He emphasised that broader tax reforms are necessary for economic growth. However, he also emphasised that some critics point that more targeted policies to address specific challenges faced by different regions and demographics.

He also talked about allocation regarding social justice and tribal affairs, tribal sub plan as it is a most crucial aspect of tribal development, and education of the tribals. He concluded saying that the budget 2024 should focus more on employability and skill training.

The panel discussion began with the students' teams namely, Abhinav Vijay aur Anubhav Yash from Financial Management Programme presenting the Budget Insight on Infrastructure. Shreya Samui and Simran Chhabra of Human Resource Management Programme presented insights on Social Welfare and Satyam Kumar and Anjali Gupta of Marketing Management Programme discussed Infrastructure and Investment and the last student team Sadiya and Dhanesh Gope of Rural Management Programme discussed Education and Health Care.

Further, in faculty panel discussion Dr Amar Tigga, Dean Academics focused on capital investment and said that the Budget 2024 missed on upcoming job opportunities while one most attractive thing was that it has allocated a lot of funds for innovation and technology. Dr Ramakant Aggarwal, Professor gave insights on whether the budget is growth oriented, employment oriented or inflation oriented. Dr Arup Mukherjee, Professor discussed Goods and Service Tax (GST) and he said that Viksit Bharat is only possible when people are viksit (developed). At the end of the faculty panel Dr Niranjan Sahu.

PRESS : PIONEER

SOCIAL NEWS SEARCH

जल्द आ रहा है आपका
नया अखबार

एक्सआईएसएस में “अंतरिम केंद्रिय बजट पर पैनल चर्चा”

यूटिलिटी

February 5, 2024 Social News Search

Leave A Comment

रांची : जेवियर समाज सेवा संस्थान (एक्सआईएसएस), रांची में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट पर पैनल चर्चा आयोजन ऑडिटोरियम में सोमवार को किया गया. कार्यक्रम का आयोजन एक्सआईएसएस के मार्केटिंग मैनेजमेंट प्रोग्राम एवं क्लब मार्कबज़्ज़ के द्वारा एक्सआईएसएस के फैकल्टी और स्टूडेंट्स के बीच स्वास्थ्य, शिक्षा, वित्त, कृषि, सामाजिक क्षेत्र आदि क्षेत्रों में बजट के विवरण पर आयोजित किया गया.

डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में

चर्चा की शुरुआत करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ जोसफ मारियानुस कुजूर एसजे ने अपने स्वागत भाषण में उन्होंने विकसित भारत के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री के नारे – सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्व और सबका प्रयास पर जोर दिया. उन्होंने पूंजीगत व्यय परिव्यय पर संक्षिप्त जानकारी दी.

उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास के लिए व्यापक कर सुधार आवश्यक हैं. उन्होंने बजट में बताए गए दो और बिंदुओं पर फोकस किया और कहा कि अगले वित्तीय वर्ष के लिए अनुमानित राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 5.1% है, लेकिन आलोचक ऐसे उच्च घाटे की स्थिरता और दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हैं. उन्होंने सामाजिक न्याय और आदिवासी मामलों, आदिवासी उपयोजना के संबंध में आवंटन के बारे में भी बात की क्योंकि यह आदिवासी विकास, आदिवासियों की शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है. उन्होंने अपने संबोधन के अंत में कहा कि बजट 2024 को रोजगार और कौशल प्रशिक्षण पर अधिक ध्यान केंद्रित करना चाहिए.

चर्चा की शुरुआत स्टूडेंट टीम की पैनल चर्चा से हुई

चर्चा की शुरुआत स्टूडेंट टीम की पैनल चर्चा से हुई. फाइनेंस मैनेजमेंट से अभिनव विजय और अनुभव यश ने इंफ्रास्ट्रचर पर बजट पर चर्चा किया. ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एचआरएम) की श्रेया समुई और सिमरन छाबड़ा की टीम ने समाज कल्याण पर – समावेशी विकास, कृषि क्षेत्र के लिए डिजिटल बुनियादी इंफ्रास्ट्रक्टर, हरित विकास और युवा शक्ति पर चर्चा की. मार्केटिंग मैनेजमेंट के सत्यम कुमार और अंजलि गुप्ता ने इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश पर चर्चा किया और अंत में रूरल मैनेजमेंट की सादिया और धनेश गोप की टीम ने शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर चर्चा किया.

PRESS : SOCIAL NEWS SEARCH